भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

# BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2079 ● मासिक पत्र : मार्च 2023 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

# BPMS कैंसर केयर समिति

'दान से बढ़कर कोई धर्म नहीं,
और सेवा से बढ़कर कोई कर्म नहीं।।

इसी ध्येय को मानते हुए 'BPMS कैंसर केयर ग्रुप' मानवता की सेवा में 2018 से अग्रसर है। हम एक असहाय, गरीब कैंसर पीड़ित को 50,000 रुपये की मदद हर हफ्ते देने का कार्य कर रहे हैं और बदले में RGCIRC भी उस रोगी को 1,000 रुपये की मदद और पाँच दिन का फ्री बैड देता है। इस कड़ी में अब तक हम 140 से ऊपर मरीजों को सहायता पहुंचा चुके हैं, 70,00,000 की धनराशि के सहयोग से, जिसके लिए हम अपने दानदाताओं के विशेष आभारी हैं।

इसके अतिरिक्त इस भयानक बीमारी से बचाव के लिए हम समय-समय पर कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का भी आयोजन करते रहते है।

संस्था द्वारा आग्रह है कि आप भी इस मानवता के भरें काम में अपना कीमती योगदान दे सकतें हैं। आप भी 50, 000 रुपये देकर कैंसर से ग्रसित एक इंसान की जान बच सकते है। सहायता के लिए बैंक की डिटेल्स है :-

Name - BPMS/CANCER CARE GROUP
Bank - IDFC First Bank
A/C NO. - 10078304823
IFSC Code - IDFB0020105

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

# BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

## सम्पादकीय

## आदरणीय स्वर्गीय श्री पण्डित बनारसी दास जी वैद्य

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

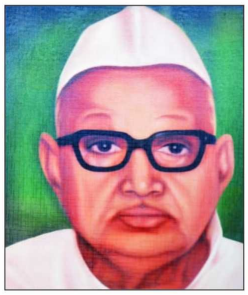

(27 मार्च, 1917-30 जून, 1994)

परम श्रद्धेय प्रात: स्मरणीय स्वर्गीय आयुर्वेदाचार्य पंडित बनारसी दास जी का जन्म 27 मार्च 1917 को श्री प्रभुदयाल एवं माता श्रीमती नख्तावरी देवी के यहां हुआ। वे एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे उन्होंने आयुर्वेदाचार्य की उपाधि पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर से उत्तीर्ण की। पंडित बनारसी दास जी वैद्य एक सीधे-सादे, सरल, विनम्र, सौम्य प्रकृति के धनी थे। वे आयुर्वेद के सुप्रसिद्ध विद्वान, संस्कृत भाषा के मधुवचनाचार्य तथा 'नाडिया वैद्य' के रूप में विख्यात हुए। गरीबों के प्रति उनके मन में अथाह करुणा एवं सहानुभूति थी आप अनेक रोगियों का निशुल्क उपचार करने के अतिरिक्त उनकी आर्थिक सहायता भी करते थे। सेठ किरोड़ीमल एवं बनारसी दास जी गुप्ता भूतपूर्व मुख्यमंत्री सरीखे जैसे अनेक व्यक्ति रहे हैं जो इनकी चिकित्सा से ही संतुष्ट होते थे। वे आयुर्वेद की अधिकतर दवाइयां जैसे स्वर्ण भस्म व अन्य कई प्रकार की भसमे, आशवारिष्ट, अनेक अर्क जैसे गुलाब जल, अनेक प्रकार के चूर्ण, शरबत, चवनप्राश, महानारायणी तेल, मोती पिष्टी, प्रभा वटी एवं अन्य सैकड़ों दवाइयां अपनी निजी कार्यशाला में अपने स्वयं के निरीक्षण में बनवाते थे ताकि उनकी शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। वह 24 घंटे मरीजों की सेवा में तत्पर रहते थे। नर सेवा नारायण सेवा में पूर्ण विश्वास रखते थे। उनके द्वारा प्रशिक्षित व्यक्ति आज भी समाज में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वह एक निडर, स्पष्ट वक्ता एवं राष्ट्रवादी व्यक्तित्व के धनी थे। वह अपने जीवन पर्यंत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय जनसंघ पार्टी से जुड़े रहे। वह वनवासी कल्याण आश्रम, बाल सेवा आश्रम एवं अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े रहे। देश के बंटवारे के समय भी उन्होंने पाकिस्तान से आए विस्थापित हिंदू भाइयों को यहां स्थापित करने में अपना पूर्ण सहयोग दिया। आप के सुपुत्र डॉ बजरंग लाल कौशिक, मास्टर मदन लाल शर्मा, डॉक्टर हनुमान प्रसाद शर्मा, अशोक कुमार शर्मा एवं शिव शंकर शर्मा है। ऐसे अद्वितीय कर्म योगी प्रात: स्मरणीय विभूति को शत्-शत् नमन।

# जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

भिवानी गौरव
श्रीमती दर्शना गुप्ता
1 मार्च

श्री परम सचिन शालीन
(कार्यकारिणी)
5 मार्च

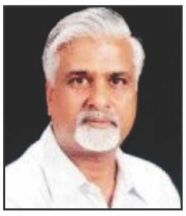

भिवानी गौरव
श्री सुरेश बिन्दल
7 मार्च

भिवानी गौरव
श्री मदन पाल चौहान
7 मार्च

भिवानी गौरव
सुश्री वसुधा शर्मा
11 मार्च

श्री पंकज गुप्ता
(कार्यकारिणी)
17 मार्च

श्री रमेश कुमार चौधरी
(संरक्षक)
18 मार्च

श्री कृष्ण बासिया
(संरक्षक)
21 मार्च

श्री मनोज कुमार अग्रवाल
(संरक्षक)
21 मार्च

श्री सुनील शर्मा
(कार्यकारिणी)
22 मार्च

श्री अरविंद गर्ग
(कार्यकारिणी)
24 मार्च

श्रीमती सपना गुप्ता
(संरक्षक)
27 मार्च

श्री नवल किशोर गोयल
(संरक्षक) 31 मार्च

## स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्रीमती छोटा देवी तायल
7 फरवरी

# श्री एकादशी महाव्रत की महिमा और विधि

● शास्त्रों में और संतों ने अपनी मधुरी वाणी में वर्णन किया है कि इन एक महाव्रत में सभी व्रतों का समावेश है, इनका व्रत करने से सभी व्रत पूर्ण माने जाते है।

● अगर हम यह महाव्रत ठाकुर जी की प्रसन्नता के लिये करते है तो श्री एकादशी महारानी हमे श्री ठाकुर जी से मिला देती है और अगर हम यह व्रत किसी लौकिक कामना या पारलोकिक कामना से भी करते है तो वो सभी कामनाये पूर्ण होती है, कामनाओं के लिए भी किसी अन्य व्रत को करने की आवश्यकता नहीं है, जो एकादशी महारानी हमसे प्रसन्न होने पर श्री ठाकुर जी से मिला सकती है तो क्या वो हमारी किसी कामना को पूर्ण नहीं कर सकती क्या। अगर हम श्री ठाकुर जी की प्रसन्नता के लिये महाव्रत करते है तो हमें इन व्रत का उद्यापन करने की भी आवश्यकता नहीं है।

● इन महाव्रत को हम किसी भी परिस्थिति में कर सकते है, अगर अशुद्ध भी है, नहाए भी नहीं है चाहे किसी भी स्थिति में है।

● इन महाव्रत में सिर्फ और सिर्फ 'अन्न' नहीं पाना (खाना), फलाहार हम 5-10 बार भी अर्थात् कितनी भी बार कर सकते है।

● श्री एकादशी महाव्रत का पारण (व्रत को खोलना) जब द्वादशी वाले दिन श्री जगन्नाथ जी के महाप्रसाद से करते है तो श्री एकादशी व्रत की महिमा अनंत गुणा हो जाती है।

● शास्त्रों में किसी भी व्रत के बारे में ये कहीं नहीं लिखा की अगर आप ये व्रत नहीं करेंगे तो आपको पाप लगेगा पर श्री एकादशी व्रत की महिमा से शास्त्र भरे हुए है और लिखा है जो यह व्रत करेंगे उनको उनकी कामना अनुसार फ्ल की प्राप्ति होगी और जो उस दिन अन्न पायेंगे (खाएँगे) उनको पाप लगेगा, यह बता कर उनकी महिमा को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

● श्री एकादशी व्रत वाले दिन अन्न खाना और अन्न खिलाना दोनों ही दोष देते है।

● श्री एकादशी महारानी का व्रत हमे उस दिन तो अन्न दोष से रक्षा करता ही है और हमारे जीवन के अन्य दोषों, अपराधों और पापो से भी मुक्त करता है।

● श्री एकादशी के व्रत वाले दिन संसार में प्रचलन है कि कथा महात्म सुना जाये पर हम तो यह व्रत श्री ठाकुर जी की प्रसन्नता के लिये कर रहे है तो यह कथा सुनने कि भी कोई आवश्यकता भी नहीं है।

● अगर आपको श्री एकादशी की महिमा श्रवण (सुननी) करनी है तो श्री राजा अम्बरीश जी की कथा जिसका परम पूज्य श्री गौरदास जी महाराज जी ने अपनी मधुरी वाणी में बहुत ही अद्भुत वर्णन किया है ,सुननी चाहिए, जिसका लिंक यह है https://www.youtube.com/ live/ 7APQbABrxJg?feature=share यह भारत के चक्रवर्ती सम्राट हुए है और उन्होंने यह श्री एकादशी महाव्रत करके हम जीवों के लिए क्या आदर्श उपस्थित किया है।

● अगर हम प्रतिदिन कर सके तो ठीक है नहीं तो श्री एकादशी महाव्रत वाले दिन कम से कम एक माला श्री महामंत्र जो की श्री कृष्ण चैतन्य महाप्रभु जी ने प्रकट किया है (हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे) अवश्य करे।

● हम सभी वैष्णव जन श्री एकादशी के व्रत में सिंधे नमक, सीताफल, अरबी, कच्चे केले, कच्चे पपीते की सब्ज़ी का प्रयोग भी कर सकते है और मेथीं, टमाटर, हल्दी का प्रयोग नहीं करते है। किसी भी वैष्णव की और कोई भी जिज्ञासा हो तो मेसेज कर देवे जी।

● जिन वैष्णवों ने आगे किसी वैष्णवों को श्री एकादशी महाव्रत करने की प्रेरणा दी हो और उनको पारण के लिए श्री जगन्नाथ ठाकुर जी के महाप्रसाद की आवश्यकता हो तो कृपया मेसेज दे देवे जी, उनके लिए महाप्रसाद की व्यवस्था हो जायेगी जी।

● मेरा आप सभी वैष्णव जनों से निवेदन है की यदि किसी सामाजिक या पारिवारिक या किसी अन्य विपरीत परिस्थिति वश हमसे श्री एकादशी का महाव्रत नहीं हो पाता है तो हम इतना करे की हमारे मन में ग्लानि तो पैदा हो की हम यह व्रत नहीं कर पाये और श्री ठाकुर जी और श्री एकादशी महारानी से क्षमा माँग लेवे, और इतना नहीं तो केवल श्री एकादशी महारानी को बस प्रणाम कर लेवे, कम से कम हम इतना तो कर लेवे। और अगले दिन व्रत के पारण के समय में श्री जगन्नाथ ठाकुर जी का महाप्रसाद अवश्य ले लेवे।

● सभी वैष्णवजनों से विनती है अगर हो सके तो व्रत वाले दिन नहाने में सरसों के तेल, साबुन और शैम्पू का व्यवहार (नेम) ना करे।

● आप सभी वैष्णवों से निवेदन है की इस महाव्रत की महिमा को जन जन तक पहुँचाये और श्री एकादशी महारानी की कृपा प्राप्त करे। अगर एक जन को भी आपने श्री एकादशी व्रत शुरू करवा दिया तो यह बहुत ही उत्तम कार्य होगा।

● हम सभी पूर्ण फल तो चाहते है शास्त्रानुसार पर विधि हम शास्त्रोक्त करना नहीं चाहते तो कैसे बात बनेगी बंधुओं, कृपया तन्मयता पूर्वक इस बात का चिंतन मनन कीजिए की हम सब में कमी कहा रह गई।

● परम पूज्य श्री गौरदास जी महाराज जी के मुखारविंद से प्रकट हुई ज्ञानमय वाणी से संक्षिप्त वर्णन।

**जय श्री राधेश्याम**

जय भवानी जय भिवानी

भिवानी परिवार मैत्री संघ

का आयोजन

चैत्र नवरात्र एवं नव संवत 2080 के स्वागत में

जय भवानी-जय भिवानी

रथ यात्रा 2.0

22 मार्च 2023 से 30 मार्च 2023

(भिवानी से इंद्रप्रस्थ तक)

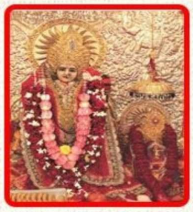

श्री पहाड़ी माता

श्री देवसर धाम

श्री भोजा वाली देवी

निवेदक

विनय सिंघल
9999190575

हंसराज रल्हन
9212163340

मनीष गोयल
9811195512

संजय गोयल
9212126463

सुखदर्शन सिंह
9654272025

राजेश चेतन
9811048542

दिनेश गुप्ता
9810003215

संजय जैन
9810032754

मेरी कलम से

# रंगोत्सव होरी गीत

सुश्री मंजीत मरवाहा

'मोरे कान्हा जो आए पलट के
उनसे होरी मैं खेलूंगी डट के।'

यह गीत खुद-बखुद एक उत्सव का अहसास कराता है। इस गीत में हंसी, ठिठोली का पुट नजर आता है। ये दो पंक्तियां ही आभास कराती है कि रंगोत्सव होली आगमन का है। यह अतिशयोक्ति नहीं होगी अगर यह कहा जाए कि भारतवर्ष त्योहारों और उत्सवों का देश है। होली भी एक प्रमुख त्योहार है। होली के नाम से ही रंगो का और स्वादिष्ट मिठाइयों तथा व्यंजनों का ख्याल आता है। होरी रंगो का त्योहार है। इस त्योहार से सम्बन्धित पारम्परिक होरी गीत तो गाए ही जाते हैं उसके साथ-साथ हमें मदमस्त करने वाले होली के गाने फिल्मों में भी सुनने को मिलते है।

होरी गीतों से ही होली आने की आहट आ जाती है। जगह-जगह अलग-अलग भाषाओं में होली के गीतों की गूंज आनी शुरू हो जाती है। होली के त्यौहार से 10-15 दिन पहले ही राजस्थानी लोग 'डप्प' के साथ-साथ होली गीत गाने शुरू कर देते हैं जो सभी के मन को मदमस्त कर देते हैं। होली में रंगों के साथ ही और रंग जमाने का काम होली गीत भी करते हैं। सभी पर मस्ती का खुमार चढ़ता है। इस त्यौहार में अमीर-गरीब, छोटे-बड़े का भेदभाव खत्म हो जाता है और सभी इस त्यौहार का आनन्द लेते हैं। इस त्यौहार को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। अग्नि की ज्वाला में होलिका रूपी बुराई का विनाश हुआ और हिरण्य कश्यप पर अच्छाई की जीत।

पारम्परिक होरी गीतों में कृष्ण-राधा और ब्रज का उल्लेख तो आता ही है। ये गीत रंगों के त्यौहार में उल्लास भर देते हैं। ब्रज में होली की मधुर छटा बिखेरता हुआ गीत मनभावन है-

'आज बिरज में होरी रे रसिया'

इस गीत में राधा-कृष्ण या माधुर्य और ब्रज की सौंधी-सौंधी खुशबू हर शब्द में समायी है

'नैनन में पिचकारी गई, होरी खेली न जाए'

या फिर होली गीत

'कैसी होरी मचाई कन्हाई
अचरज लखियों न जाई'

सामान्य रूप से फाग में होली खेलने, प्रकृति की सुंदरता और राधाकृष्ण के प्रेम का वर्णन होता है। इन्हें शास्त्रीय संगीत और उपशास्त्रीय संगीत में गाया जाता है। ठुमरी में भी होरी का वर्णन होता है

'आज खेलें होरी गुईया'

वहीं विदुषी गिरिजा देवी होरी गीत गाती हैं-

'रंग डारूँगी नंद के लालन पे'

वहीं यह गीत भी होरी का उल्लास दर्शाता है-

'आज खेलों श्याम संग होरी।'
पिचकारी रंग भर के सर पे।।'

हमारे उपशास्त्रीय संगीत में ऐसे पारम्परिक होरी गीतों की भरमार हैं जिनमें हंसी ठिठोली, चंचलता और मदमस्ती नजर आती है।

फिल्मों में भी होली के गानों में होली का रंग दिखाई देता है

सरदारी बेगम पिक्चर का होली गीत

'मोरे व्यान्हा जो आए पलट दे'

कौशिकी चक्रवर्ती की

रंगी सारी गुलाबी चुनरिया रे
मोहे मारे नजरियाँ सांवरिया रे

मदर इंडिया जैसी पुरानी पिक्चर में भी होली गीत आज भी लोकप्रिय है।

'होली आई रे कन्हाई'

कटी पतंग में 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली खेलेंगे हम होली'

फिल्मनवरंग में 'आया होरी का त्योहार' आज भी धूम मचा रहा है।

शोले फिल्म का 'होली के दिन दिल खिल जाते है'

सिलसिला फिल्म था मशहूर गाना

'रंग बरसे भीगे चुनरवाली रंग बरसे'

इसका संगीत प्रसिद्ध संगीत निर्देशक शिव-हरि ने दिया ।

होली पर आधारित फिल्मों में गीत हर दशक में बनते रहे हैं और आज भी त्यौहार पर इन्हें गाया बजाया जाता है।

इस उल्लास भरे त्योहार की सभी को शुभकामनाएं।

## चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

सर्दियों की कंपकपी का अंत है ।
दर पे दस्तक दे रहा वसंत है ।

फूल केसर का हवा में झूमता
पीत वस्त्रों में सजा जूं संत है ।

काम कोई कैसे बिगड़े इस घडी
आशीष हमको दे रहा एकदंत है ।

देखिये कुदरत की रंगत देखिये
गंध कैसी छाई दिग्दिगंत है ।

प्यार का खुला निमंत्रण है तम्हे
प्रेम की भाषा सखी अनंत है ।

## बीपीएमएस की सेवा समितियां

| समिति | प्रभारी | चेयरमैन |
|---|---|---|
| मैट्रीमोनियल समिति | श्री राजेश चेतन | श्री सुनील बंसल |
| कैंसर केयर समिति | श्री दिनेश गुप्ता | श्रीमती मीनाक्षी गर्ग |
| वस्तु-वस्त्र समिति | श्री संजय जैन | श्री संजय गुप्ता |
| बिजनेस पाठशाला | श्री प्रमोद शर्मा | श्री सचिन मेहता |
| पर्यावरण समिति | श्री सुशील गनोत्रा | श्रीमती पूजा बंसल |
| अपना घर आश्रम समिति | श्री हंसराज रलहन | श्री सांवरमल गोयल |
| अंगदान-नेत्रदान समिति | श्री सुनील अग्रवाल | श्री एन आर जैन |
| शिक्षा समिति | श्री पवन मोडा | श्री संजय जैन |
| टुरिज़्म समिति | श्री मनीष गोयल | श्री उमेश मित्तल |
| स्वास्थ्य समिति | श्री विनय सिंघल | श्री वरुण मित्तल |

## व्रत-त्योहार मार्च 2023

- होलिका दहन,सोमवार, 6 मार्च 2023
- वसंतोत्सव, होली, बुधवार 8 मार्च 2023
- विक्रम संवत् 2079, पूर्ण मंगलवार, 21 मार्च 2023